The Minister of Scientific Research and Cultural Affairs (Shri Humayun Kabir)

	1961	1962
(a) Class III	123	97
Class IV	96	147
(b) Class III	203	
Class IV	275	

Approach Road to Deputy Surveyor General's Estate, Dehra Dun

3324. Shri S. M. Banerjee: Will the Minister of **Scientific Research and Cultural Affairs** be pleased to refer to the reply given to Unstarred Question No. 3275 on the 13th April 1961 and state:

(a) whether the approach road from the gate to residential quarters in Deputy Surveyor General's Estate, 17 E.C. Road, Dehra Dun, has since been made pucca; and

(b) if not, the reasons therefor?

The Minister of Scientific Research and Cultural Affairs (Shri Humayun Kabir): (a) and (b). It is reported that the work is in progress and is expected to be completed shortly.

रेत से सोना

३३२५. **श्री विभूति मिश्र:** क्या **खान और ईंधन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान दिनांक २० अप्रैल, १९६२ के 'हिन्दुस्तान' में प्रकाशित "नाले में सोने के कण बड़े परिमाण में प्राप्त" समाचार की ओर आकर्षित हुआ है ;

(ख) यदि हां, तो क्या सरकार ने इस बारे में अब तक कोई जांच कराई है कि वहां पर किस मात्रा में सोना और तांबा मिलने की आशा है ; और

(ग) आगे सरकार कौन सी कार्यवाही करने जा रही है ?

खान और ईंधन मंत्रालय में उपमंत्री (श्री हजरनवीस) : (क) जी हां।

(ख) तथा (ग) भारतीय भूगर्भीय सर्वेक्षण विभाग द्वारा किये गये अन्वेषणों के परिणाम से यह मालूम हुआ है कि पाये जाने वाले सोने और तांबे का आर्थिक दृष्टि से कोई महत्व नहीं है । अत: अग्रिम कार्यवाही करने का विचार नहीं है ।

Officers on Deputation in Manipur and Tripura

3326. Shri Rishang Keishing: Will the Minister of **Home Affairs** be pleased to state:

(a) the number of officers on deputation under the administration of Manipur and Tripura as on the 1st April, 1962;

(b) the capacities in which the officers have been on deputation;

(c) whether Government have any policy to replace the deputed officers by local men; and

(d) if so, the steps taken to this end?

The Minister of State in the Ministry of Home Affairs (Shri Datar): (a) 160 in Manipur and 90 in Tripura.

(b) Two statements—one in respect of Manipur and the other in respect of Tripura are laid on the Table. [*See* Appendix IV, annexure No. 52].

(c) wherever possible local men are given chances of promotion to fill in senior posts. Due however to the death of suitable personnel officers have to be sent on deputation.

(d) Arrangements for training of officers and awarding of stipends to the local students have been made and will be made to have an adequate number of officers to replace the deputationists as far as possible.

शांतिकार्य के लिये विदेशों में भारतीय सैनिक

३३२७. **श्री कृष्ण देव त्रिपाठी** : क्या **प्रतिरक्षा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) विदेशों में किस देश में कितने भारतीय सैनिक इस समय भारत सरकार

द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय शान्ति कायम रखने के लिये तैनात हैं ;

(ख) इन देशों में कितने भारतीय सैनिक मारे गये हैं और जख्मी हुये हैं ; और

(ग) इन सैनिकों के वेतन, उनके आने जाने तथा विदेशों में निवास पर अब तक कितना व्यय हुआ है और उस में भारत सरकार ने कितना खर्च किया है ?

प्रतिरक्षा मंत्रालय में राज्य-मंत्री (श्री रघुरामैया) : (क) भारतीय सेविवर्ग इस समय हिन्द चीनी, गाजा और कांगो में सेवा कर रहे हैं। उन देशों में उनकी जनशक्ति क्रमशः ३९४, १२४९ और ५६६३ है।

(ख) १५ सेविवर्ग संग्राम में मारे गये हैं, और ८२ घायल हुए हैं। यह सभी कांगो में ही हताहत हुए। जो दुर्घटनाओं वश मारे गये। घायल हुये उन की संख्या निम्नलिखित है :—

	मारे गये	घायल
हिन्द-चीनी	४	३
गाजा (एक आत्म हत्या की घटना समेत)	७	७४
कांगों	६	७१

२, ३ और ५ क्रमशः प्राकृतिक कारणों से हिन्द-चीनी, गाजा और कांगो में मर गये।

(ग) एक विवरण सभा पटल पर रखा गया है।

विवरण

हिन्द चीनी में हमारे सेविवर्ग दो भागों में विभक्त हैं। एक वह जो अन्तर्राष्ट्रीय सचिवालय में काम कर रहे हैं, और दूसरे वह जो राष्ट्रीय मण्डल के साथ संलग्न हैं। जहां तक पूर्वोक्त का सम्बन्ध है, इन पर सारा खर्च सांझे खाते से होता है। अन्य के लिये खर्च का भार हम उठाते हैं, जो वैसे भी हम ही उठाते, यदि वह भारत में सेवा कर रहे होते। सारा अतिरिक्त खर्च सांझे खाते से होता है।

गाजा में अन्तर्राष्ट्रीय संकटकालीन सेना के सम्बन्ध में भारत सरकार द्वारा किया खर्च अन्तर्राष्ट्रीय संघ के निम्नलिखित निर्णय के अनुसार सदस्य देशों द्वारा सहन किया जाता है।

(अ) पहले छै मास में : मूल वेतन के अतिरिक्त एक विशेष सैनिक भत्ता किसी देश की सैनिक टुकड़ी के सदस्यों को अन्तर्राष्ट्रीय संकटकालीन सेना में उनकी सेवा के उपलक्ष्य में।

(ब) पहले छै मास के पश्चात् सभी अतिरिक्त और असाधारण खर्च, जो सैनिक दल भेजने वाले देशों को, अपनी सेनायें भेजने के विषय में करना पड़ता है।

अपने कांगों भेजे सैनिकों के विषय में उन पर प्रायः उसी तरह खर्च उठता है, जैसे गाजा में भेजे सैनिकों पर। अन्तर केवल इतना है कि आदि से सभी अतिरिक्त और असाधारण किया गया खर्च, अन्तर्राष्ट्रीय-संघ द्वारा वापस लिया जा सकता है।

भारत सरकार द्वारा ३१ मार्च १९६२ तक इस तरह पहले किये कुल खर्च, जिनका कुछ भाग भारत सरकार को ही सहन करना पड़ेगा, निम्नलिखित हैं :—

	कुल खर्च	भाग जो भारत सरकार को सहन करना पड़ेगा।
	लाख रुपये (लगभग)	लाख रुपये (लगभग)
हिन्द-चीनी	१८१.५६	५७.४२
गाजा	३३४.७६	१६६.०८
कांगों	१८४.००	९६.६५